दोहे
बिहारी

प्रदत्त कार्य-1 : कविता संकलन

विषय : ग्रीष्म ऋतु पर आधारित कविताओं का संकलन।

उद्देश्य :

- काव्य विधा के प्रति रुझान।
- कविता की पहचान।
- ग्रीष्म ऋतु के गुणों की पहचान।
- संकलन एवं प्रस्तुति का ज्ञान।
- आपसी सहयोग की भावना का विकास।

निर्धारित समय : अवकाश कार्य

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत तथा सामूहिक कराया जा सकता है।
2. सर्वप्रथम शिक्षक छात्रों से विभिन्न ऋतुओं के विषय में चर्चा करते हुए ग्रीष्म ऋतु को विस्तार से समझाएंगे।
3. ग्रीष्म ऋतु पर आधारित किसी कविता को अध्यापक कक्षा में सुनाएं।
4. विद्यार्थियों की सहायता से कुछ शब्द श्यामपट्ट पर लिखकर अध्यापक ग्रीष्म ऋतु की प्रचण्डता का चित्रण करने के लिए छात्रों को निर्देश दें तथा निर्धारित समय पर कार्य जमा करें।
5. मूल्यांकन के आधार बिंदु तथा अंकों से छात्रों को पूर्व में ही परिचित करवा दिया जाए।
6. कविता संकलन के लिए कुछ कवियों के नाम विद्यार्थियों को अवश्य बता दिए जाएं।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विद्यार्थियों द्वारा संकलित कवियों की कविताओं को ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन।

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- कार्य की पूर्णता तथा समूह में सक्रिय योगदान के लिए छात्रों की सराहना की जाए।
- सर्वश्रेष्ठ संकलन चयन किया जाए।
- पाँच उत्तम प्रस्तुति का प्रदर्शन करें।
- कुछ कविताओं का वाचन भी कराया जाए तो अच्छा।

प्रदत्त कार्य-2 : दोहा गायन

विषय : नीति, भक्ति और मित्रता से संबंधित दोहों का गायन।

उद्देश्य :

- दोहों के स्वरूप को समझना।
- व्यावहारिक जीवन का ज्ञान।
- दोहों की विशेषता को समझना।
- जीवन के विविध रंगों को समझना।
- साहित्यिक अभिरुचि।
- चिंतन कौशल का विकास।
- लेखन एवं वाचन कौशल का विकास।

निर्धारित समय : दो कालांश

प्रक्रिया :

1. सामूहिक कार्य (6-6 विद्यार्थियों का एक समूह बनाया जाए)
2. सर्वप्रथम शिक्षक किसी भाव विशेष से संबंधित दोहे के माध्यम से कार्य के स्वरूप से छात्रों को परिचित कराए, जैसे -

   "साधु ऐसा चाहिए जैसे सूप सुभाय

   सार-सार को गहि लहै, थोथा देई उड़ाय"।
3. प्रत्येक समूह को दो-दो मित्रता नीति तथा भक्ति के दोहे गाने के लिए कहा जाए।
4. तैयारी के लिए दो-तीन दिन का समय दिया जाए।
5. निर्धारित दिन प्रत्येक समूह को एक-एक कर प्रस्तुति देने के लिए कहें।
6. कार्य से पूर्व अध्यापक मूल्यांकन के आधार छात्रों को बताएं।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- सभी विषयों से संबंधित दोहों की सस्वर प्रस्तुति तथा प्रभाव के आधार पर मूल्यांकन करें।

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं तथा अपनी सुविधानुसार अंक निर्धारित किया जा सकता है।
- अध्यापक दोहा संकलन के लिए अन्य विषय भी दे सकते हैं।

प्रतिपुष्टि:

- सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति की सराहना की जाए।
- औसत प्रस्तुति को प्रोत्साहन दिया जाए।
- सभी कार्यों को कक्षा में प्रदर्शित किया जाए।

प्रदत्त कार्य-3 : परिचर्चा

विषय : नयी पीढ़ी की दृष्टि में सामाजिक बदलाव के क्षेत्र।

उद्देश्य :

- सामाजिक बदलाव को समझेंगे।
- जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास।
- समाज के प्रति नैतिक दायित्व बोध।
- चिंतन एवं वैचारिक कौशल का विकास।
- वाचन एवं श्रवण कौशल का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सामूहिक कार्य।
2. अध्यापक समाज में होने वाले बदलाव पर विद्यार्थियों से बातचीत करेंगे।
3. अध्यापक छात्रों से प्राप्त जानकारियों को श्यामपट्ट पर लिखें।
4. 5-6 छात्रों का एक समूह तैयार किया जाए और सम्पूर्ण कक्षा को समूहों में बाँट दिया जाए।
5. प्रत्येक समूह कक्षा के समय में दिए गए विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करें।

6. छात्रों को तैयारी के लिए 10 मिनट का समय दिया जाएगा।

7. विद्यार्थियों को प्रस्तुति के लिए 1–2 मिनट का समय दिया जाएगा।

8. विद्यार्थियों को मूल्यांकन का आधार कार्य से पूर्व ही बता दिया जाएगा।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषय वस्तु
- शब्द–चयन व सटीक वाक्य रचना
- शुद्ध उच्चारण
- वैचारिक स्तर
- आत्मविश्वास

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- सशक्त विचार प्रस्तुति की सराहना।
- मुख्य विचार बिंदुओं का श्यामपट्ट पर लेखन।
- औसत व कमजोर प्रस्तुति के लिए सुझाव एवं प्रोत्साहन।

प्रदत्त कार्य–4 : एलबम बनाना

विषय : भारतीय वाद्य यंत्रों की चित्र सहित जानकारी।

उद्देश्य :

- भारतीय वाद्ययंत्रों की जानकारी।
- संगीत के प्रति अभिरुचि।
- ज्ञान का विस्तार।
- स्वाध्याय की प्रेरणा।
- खोजी प्रवृत्ति का विकास।
- समायोजन शक्ति का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया:

1. व्यक्तिगत कार्य तथा सामूहिक कार्य।
2. सर्वप्रथम अध्यापक भारतीय शास्त्रीय संगीत की लोकप्रियता तथा विभिन्न दृष्टियों से महत्व पर चर्चा करें, जैसे – चिकित्सा के क्षेत्र में, मानसिक तनाव को दूर करने के संदर्भ में, अकेलेपन को दूर करने के लिए आदि।
3. छात्रों को कार्य के स्वरूप से परिचित करवाते हुए विभिन्न भारतीय वाद्ययंत्रों के विषयों में चर्चा करेंगे। साथ ही छात्रों को निर्देश दिया जाए कि वे पुस्तकालय, इंटरनेट, संगीत अध्यापक आदि की सहायता से वाद्ययंत्रों के विषय में जानकारी प्राप्त करें तथा संबंधित चित्रों का संग्रह करें।
4. इस कार्य के लिए विद्यार्थियों को एक सप्ताह का समय दिया जाए।
5. निर्धारित दिन छात्र कक्षा में ही समूह के साथ मिलकर परियोजना पुस्तिका में यह कार्य करें।
6. इस कार्य के लिए विद्यार्थियों को 25–30 मिनट का समय दिया जाए।
7. सप्ताह के मध्य में शिक्षक कार्य के विषय में पूछकर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें।
8. मूल्यांकन के आधार बिंदु कार्य से पूर्व ही विद्यार्थियों को बता दिए जाएं।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- एलबम के विषय तथा स्वरूप पर विचार करते हुए मूल्यांकन।

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- समूह में सक्रिय योगदान के लिए प्रत्येक छात्र की सराहना की जाए।
- सर्वश्रेष्ठ एलबम का चयन कर उसकी प्रशंसा की जाए।
- सभी एलबम का कक्षा में प्रदर्शन किया जाए।

प्रदत्त कार्य-5 : विचाराभिव्यक्ति

विषय : "व्यावहारिक जीवन तथा आत्मिक गुणों के विकास में दोहों का महत्व"

उद्देश्य :

- स्वतंत्र दृष्टिकोण का विकास।
- वैचारिक मंथन, चिंतन–मनन की प्रवृत्ति का विकास।

- श्रवण–वाचन कौशल का विकास।
- आत्मविश्वास।

निर्धारित समय : एक या दो कालांश

प्रक्रिया :

1. सामूहिक कार्य (4–4 छात्रों का एक समूह)
2. सर्वप्रथम अध्यापक किसी दोहे का उदाहरण देकर बताएं कि वे किस प्रकार व्यावहारिक जीवन में शिक्षा देकर आत्मिक दृढ़ता प्रदान करते हैं जैसे –

   कहत रहीम संपति सगे, बनत बहुत बहु रीत।

   बिपति कसौटी जे कसे, ते ही सांचे मीत।।
3. छात्रों को कार्य से परिचित करवाते हुए प्रस्तुत विषय पर समूह में चर्चा करने का निर्देश दें। इस कार्य के लिए छात्रों को 10–12 मिनट का समय दिया जाए।
4. कार्य के दौरान शिक्षक छात्र के कार्यों पर दृष्टि रखें तथा आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन भी करें।
5. प्रत्येक समूह से एक विद्यार्थी विचाराभिव्यक्ति करें इस कार्य के लिए उन्हें 1–2 मिनट का समय दिया जाए।
6. छात्र व शिक्षक मिलकर कार्य का मूल्यांकन करें।
7. मूल्यांकन के आधार तथा अंक पूर्व में ही छात्रों को बताए जाएँ।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- भावानुरूप विषय की प्रस्तुति
- मौलिकता
- दोहों द्वारा पुष्टि
- शब्द चयन, सटीक वाक्य रचना, शुद्ध उच्चारण
- समूह में योगदान

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- समूह में सक्रिय योगदान के लिए प्रत्येक छात्र की सराहना की जाए।
- छात्रों की सहायता से सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति का चयन करें।
- कार्य में कमी रहने पर उसे दूर करने के लिए अन्य समूहों से सहायता लेने की प्रेरणा दें।